



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 607]
No. 607]नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 9, 2003/अषाढ़ 18, 1925
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 9, 2003/ASADHA 18, 1925भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
अधिसूचना

मुम्बई, 9 जुलाई, 2003

प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 11 के अधीन उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड के शासी बोर्ड के अधिक्रमण की कालावधि को बढ़ाते हुए आदेश

का.आ. 789(अ).—तारीख 12 जुलाई, 2002 की अधिसूचना सं. का.आ. 732(अ) द्वारा उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड के शासी बोर्ड को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा 12 जुलाई, 2002 से एक वर्ष की कालावधि के लिए अतिरिक्त किया गया था और श्री एम.एन. सभरवाल, आई.पी.एस. (सेवानिवृत्त) को शासी बोर्ड की सभी शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग करने और पालन करने के लिए प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया गया था। कथित अधिसूचना के अनुसार अधिक्रमण की वर्तमान अवधि 11 जुलाई, 2003 को समाप्त हो रही है।

प्रशासक द्वारा किये गये विभिन्न सुधारात्मक उपायों को ध्यान में रखते हुए, इनमें से कुछ पर अतिरिक्त अनुवर्ती कार्रवाई अपेक्षित होगी, आगे विनिधानकर्ताओं के हित में एक्सचेंज की कार्यप्रणाली को सुचारु बनाने के लिए और नये शासी बोर्ड के निर्वाचन तथा गठन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अपेक्षित समय, और अपरस्पीकरण (डीम्यूचुरलाइजेशन) और निगमीकरण (कॉर्पोराइजेशन) की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए भी, शासी बोर्ड के अधिक्रमण की कालावधि को एतद्वारा छह मास की अतिरिक्त कालावधि के लिए बढ़ाया जाता है।

पूर्वोक्त कारणों से, केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी तारीख 30 जुलाई, 1992 की अधिसूचना सं. का.आ. 573 के साथ पठित प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 11 और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 4(3) के अधीन भी मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड के शासी बोर्ड के अधिक्रमण को एतद्वारा 12 जुलाई, 2003 से छह मास की अतिरिक्त कालावधि के लिए बढ़ाया जाता है। श्री एम.एन. सभरवाल, आई.पी.एस. (सेवानिवृत्त) बढ़ायी गयी कालावधि के लिए शासी बोर्ड की सभी शक्तियों और कर्तव्यों का प्रयोग करने और पालन करने के लिए प्रशासक के तौर पर कार्य करते रहेंगे।

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/12829/2003]

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION

Mumbai, the 9th July, 2003

ORDER UNDER SECTION 11 OF THE SECURITIES CONTRACTS (REGULATION) ACT, 1956 EXTENDING THE PERIOD OF SUPERSESSION OF THE GOVERNING BOARD OF THE UTTAR PRADESH STOCK EXCHANGE ASSOCIATION LIMITED

S.O. 789(E).—Vide Notification No. S.O. 732(E) dated July 12, 2002 the Governing Board of the U.P. Stock Exchange Association Limited was superseded by the Securities and Exchange Board of India for a period of one year with effect from July 12, 2002 and Shri M.N. Sabharwal, I.P.S. (Retd.) was appointed as an Administrator to exercise and perform all the powers and duties of the Governing Board. The current term of supersession vide notification cited is ending on July 11, 2003.

In view of the various corrective measures taken by the Administrator, some of which would require sustained follow up action, to further streamline the functioning of the Exchange in the interest of investors and time required to complete the process of election and constitution of the new Governing Board and also to complete the process of Demutualisation and Corporatisation, the period of supersession of the Governing Board is hereby extended for a further period of six months.

For the aforesaid reasons, in exercise of the powers conferred upon me under Section 11 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 read with the Notification No. S.O. 573 dated July 30, 1992 issued by Central Government and also Section 4(3) of Securities and Exchange Board of India Act 1992, the Supersession of the Governing Board of the U.P. Stock Exchange Association Limited is hereby extended for a further period of six months with effect from July 12, 2003. Shri M.N. Sabharwal, I.P.S. (Retd.) shall continue to act as the administrator to exercise and perform all the powers and duties of the Governing Board for the extended period.

[F. No. SEBI/LE/12829/2003]

G.N. BAJPAL, Chairman

1890 GI/2003